कहे शास्त्र वेद पुराण

कहे शास्त्र वेद पुराण,महिमा सतसंग की
करे ऋषि मुनी गुण गान,महिमा सतसंग की

सत संग है भव सागर नोका
पार करण का यही है मोका
अवसर चेत अजाण•••महिमा•••

दु:खिया-सुखिया सब ही आवे
जैसा कर्म करे फल पावे
आ है इमृत की खान•••महिमा•••

सत संगत को सुन कर प्यारे
पापी कपटी सुधरे सारे
तज दियो मान गुमान•••महिमा•••

सदानन्द सत संगत करणी
मुख से ना जाए महिमा वरणी
करते हरि गुण गान•••महिमा•••

रचनाकार :-स्वामी सदानन्द जोधपुर
M.9460282429

Source: https://www.bharattemples.com/kahe-shastar-ved-puraan/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw